

Environmental studies

पर्यावरणीय अध्ययन

मुख्यतः पारिजापाएँ—

(1) पारिस्थितिकी (Ecology)

इस शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग रैटर नामक वैज्ञानिक ने किया था, यह ग्रीक भाषा के दो शब्दों $\text{oikos} = \text{house}$ तथा $\text{logos} = \text{study}$ से मिलकर हुआ है। इसका तात्पर्य है कि जीवधारियों के वातावरण का अध्ययन करना अर्थात् जीवधारी कहाँ रहते हैं? किस प्रकार रहते हैं? तथा क्यों रहते हैं? उनका वातावरण से क्या सम्बन्ध है? इनका अध्ययन पारिस्थितिकी के अन्तर्गत किया जाता है।

जीवधारी के स्वरूप तथा संरचना का निर्धारण उनके आनुवंशिक लक्षणों द्वारा होता है, लेकिन उनके चारों ओर पाया जाने वाला वातावरण जीवधारी को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करता है। वातावरणीय प्रभाव के कारण जीवधारियों में अनेक रचनात्मक हैं। जो उन्हें वातावरण में जीवित बनाए रखने में सहायक होते हैं। प्रत्येक जीवधारी अपने आपको परिवर्तनशील वातावरण के अनुरूप बनाए रखता है जैसे - जलीय, आवास, मरुस्थल, मैदानी क्षेत्रों, पहाड़ी क्षेत्रों आदि में रहने वाले जीवधारियों की संरचना एवं स्वरूप भिन्न-भिन्न होते हैं।

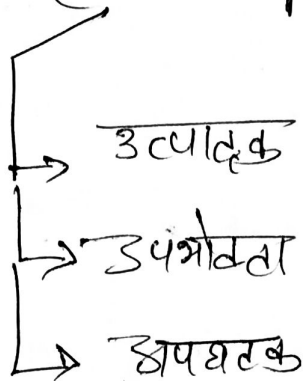
पारिस्थल (Ecosystems)

किसी स्थल पर पायी जाने वाली विभिन्न जीव जातियों की आपसी मिलकर जीवीय समुदाय (Biotic Community) बनाती हैं। ये सभी जीवधारी मिलकर जीवीय समुदाय एक-दूसरे को प्रभावित करते हैं। ये वातावरण से विभिन्न तत्वों तथा ऊर्जा का लेन-देन करते हैं तथा प्रतिक्रिया करते हैं। "जीवीय समुदायों के जीवों की संरचना, कार्य तथा उनके वातावरण से पारस्परिक सम्बन्ध को पारिस्थल (Ecosystem) कहते हैं।"

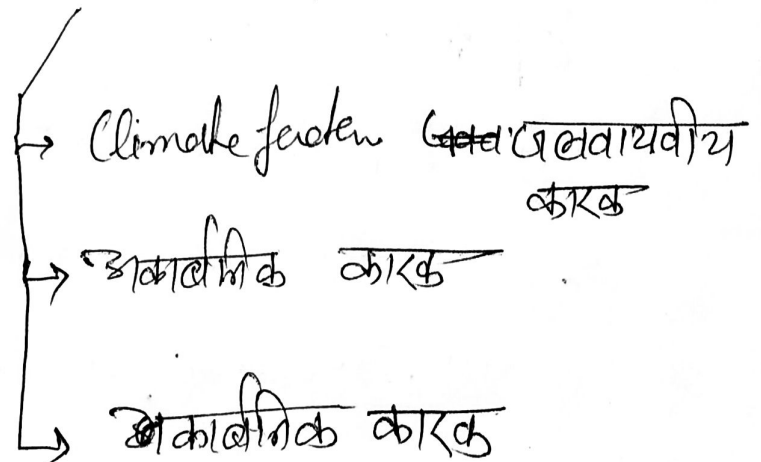
पारिस्थल सीमित एवं निश्चित भौतिक वातावरण का प्राकृतिक तंत्र है जिसमें जीवीय (Biotic) तथा अजीवीय (Abiotic) घटकों में पारस्परिक सम्बन्ध एक निश्चित नियमानुसार गतिमान संतुलन में रहता है तथा पदार्थ एवं ऊर्जा का प्रवाह सुनियोजित प्रकार से होता रहता है।
तालाब, चारागाह, वन, जलजीवशाखा आदि पारिस्थल के उदाहरण हैं।

पारिस्थल के संरचनात्मक घटक :-

(1) जीवीय घटक
(Biotic Component)



(2) अजीवीय घटक
(Abiotic Component).



सिद्ध.